केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं० B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 75 मंगलवार 6 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

माकपा नेता का. के. के. तिवारी का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । वरिष्ठ माकपा नेता और नेता कामरेड के.के. तिवारी का गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में लिवर संक्रमण के इलाज के दौरान सोमवार 5 अक्टूबर को निधन हो गया । वे लंबे समय तक माकपा के बस्ती जिला सचिव और एक समर्पित वामपंथी एवं श्रमिक नेता रहे। उनके अचानक निधन से राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर है। स्थानीय कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की है। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र छोड़ गये हैं। उनके कचहरी के पीछे स्थित आवास पर पहुंचकर लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया। उनका अंतिम संस्कार अयोध्या में सरयू तट पर होगा।

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। एपीएन पीजी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर मौजूदा सत्र में चुनाव की तारीखें जल्द घोषित करने की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर अक्टूबर से शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू किया जाएगा।

छात्र प्रतिनिधि गोविंद प्रताप ने बताया कि पिछले कुछ सालों से चुनाव न होने के कारण विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं को कॉलेज प्रशासन के सामने रखने में दिक्कत हो रही है। छात्र प्रतिनिधित्व न होने से उनकी आवाज को सही मंच नहीं मिल पा रहा है।

छात्रों ने कहा कि छात्रसंघ युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्य और नेतृत्व क्षमता बढ़ाता है, इसलिए इसकी बहाली जरूरी है। उन्होंने लिंगदोह समिति की सिफारिशों के हिसाब से निष्पक्ष चुनाव कराने की भी मांग की। ज्ञापन देने वालों में गोविंद प्रताप, गणेश पाठक, उमाशंकर तिवारी, विकास त्रिपाठी और प्रशांत कुमार पाठक शामिल थे।

1150 सामूहिक विवाह का लक्ष्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिले में गरीब बेटियों की शादी के लिए सरकार ने 1150 सामूहिक विवाह का लक्ष्य रखा है। इन शादियों पर करीब 9.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना के तहत शादी के बाद 64 हजार रुपये सीधे बेटी के पिता के खाते में भेजे जाएंगे। 21 हजार रुपये का सामान भी मिलेगा और आयोजन पर 15 हजार रुपये खर्च होंगे। इस तरह सरकार एक शादी पर कुल एक लाख रुपये देगी। समाज कल्याण विभाग ने सामूहिक विवाह की तैयारियां शुरू कर दी हैं, टेंडर भी निकल गया है। इस बार बिछिया और पायल की जगह दय रकम के साथ सामान दिया जाएगा। योजना के लिए दो हजार से ज्यादा आवेदन आए हैं।

पहले चरण में 1150 शादियों का लक्ष्य है, जिससे कई आवेदक छूट जाएंगे। पात्रों का चयन शहले आओ, पहले पाओ के आधार पर हुआ है। 920 शादियों के लिए 9 करोड़ 20 लाख रुपये का बजट मिल गया है। बाकी बजट अभी नहीं आया है। प्रशासन नवंबर में तारीखें तय कर सकता है, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि जल्द ही तारीख तय होगी।

चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा तो फैसले रोक देंगे

सीजेआई बोले- फार्म 6 में बदलाव को मंजूरी नहीं दी

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की याचिका पर सुनवाई की। उन पर एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है। अदालत ने उन्हें निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से तो इनकार किया, लेकिन चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा–फार्म –6 में किसी संशोधन को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है। जबकि, 9 दिन पहले चुनाव आयोग ने कहा था कि एसआईआर के लिए फार्म –6 के साथ लगाए गए डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई खबर 100: सही, आंशिक रूप से सही या गलत हो सकती है। इसलिए सिर्फ मीडिया रिपोर्ट के आधार पर सीईसी को सस्पेंड करने का अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता। पहले चुनाव आयोग का जवाब और रिकॉर्ड देखना होगा। फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिएरू सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाने चाहिए। यानी तीन सदस्यीय आयोग में किसी एक सदस्य का अकेले फैसला पूरे आयोग का फैसला नहीं माना जा सकता। अभी यह नहीं मान सकते कि सारे फैसले सीईसी ने अकेले लिए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहले रिकॉर्ड देखना होगा। सिर्फ आरोप के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि सभी फैसले सीईसी ने अकेले लिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अगर रिकॉर्ड से पता चलता है कि कोई फैसला जरूरी प्रक्रिया के बिना लिया गया था, तो उस पर रोक लगाने पर विचार किया जा सकता है।

एसआईआर के खिलाफ राकेश कुमार सिंह ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने की मांग वाली याचिका दाखिल की थी। इनकी दलीलें एडवोकेट विकास सिंह ने रखीं। वहीं दूसरी याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने लगाई। इनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं।

संविधान में सुप्रीम कोर्ट को सीईसी को सस्पेंड करने की कोई स्पष्ट या विशेष शक्ति नहीं दी गई है। आर्टिकल 324 के तहत चुनाव कराने और उसकी निगरानी की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है, लेकिन आयोग के फैसलों की कोर्ट में जांच हो सकती है। अगर कोई फैसला कानून या संविधान के खिलाफ पाया जाता है, तो सुप्रीम कोर्ट उस पर रोक लगा सकता है या उसे रद्द कर सकता है।

इस पूरे मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बार–बार चिंता जताई थी।

विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था लेकिन लोकसभा में वह प्रस्ताव खारिज हो गया था, जबकि राज्यसभा में अभी भी लंबित है।

ज्ञानेश कुमार पर एक्शन होगा या नहीं, 3 संभावनाएं–
कार्यकाल के फैसलों पर पुलिस एक्शन नहीं हो सकता– ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 16 के तहत सुरक्षा मिली है। जब तक यह प्रावधान मौजूद है, उन्हें केवल पुलिस कार्रवाई या गिरफ्तारी के जरिए हटाना, उन पर केस चलाना कानूनी रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल जनवरी 2029 तक है, यानी अभी 2 साल कम से कम ज्ञानेश अपने पद पर रहेंगे। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

भाजपा ने जारी किया 8 प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति ने यूपी में 10 सीटों पर होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए 8 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। नामांकन के अंतिम तिथि एक दिन पहले जारी सूची में पार्टी ने पुराने चेहरों को दुबारा मौका न देते हुए सभी नए चेहरों को मैदान में उतारा है। इनमें प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर, प्रदेश महामंत्री राम प्रताप सिंह, पूर्व सांसद प्रियंका रावत, राधाकांत ओझा, गोपीकृष्ण पांडेय, श्रुति गंगवार और प्रकाश पाल शामिल हैं। इस प्रकार प्रत्याशियों में तीन पिछड़ा, दो–दो दलित व ब्राम्हण और एक राजपूत समाज के लोगों को शामिल किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी और राज्यसभा सांसद तरुण चुग की ओर से जारी सूची में इस बार पार्टी ने किसी बाहरी के स्थान पर सभी स्थानीय नेताओं को ही मौका दिया है। माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी ने बाहरी को लाकर किसी तरह का विवाद नहीं खड़ा करना चाहती है। खास बात यह है कि पार्टी ने प्रत्याशी चयन में सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक सक्रियता को प्राथमिकता देकर पार्टी ने उस राजनीतिक दिशा का संकेत दिया है। सूची में ओबीसी, दलित, ब्राह्मण, ठाकुर और महिला प्रतिनिधित्व को जगह दी गई है। साथ ही संगठन में सक्रिय रहे चेहरों को उच्च सदन भेजने का फैसला किया गया है।

बता दें कि जिन सदस्यों की कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो रहा है, उनमें भाजपा के बृजलाल, हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, सीमा द्विवेदी, गीता शाक्य, डॉ दिनेश शर्मा, नीरज शेखर और अरुण सिंह, सपा के प्रोफेसर राम गोपाल यादव और बसपा के रामजी गौतम शामिल हैं। देखा जाए तो मौजूदा सदस्यों में दो ओबीसी सदस्य हैं। इस बार इनके स्थान पर तीन ओबीसी चेहरे को मौका दिया गया है। इसी तरह दो महिला के स्थान पर महिलाओं और दो ब्राम्हण के कोटा को बरकरार रखा गया है। जबकि मौजूदा दो राजपूत सदस्यों के स्थान पर एक चेहरे को मौका मिला है।

दूसरी बार फरियादी आया तो तय होगी जवाबदेही

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के अफसरों को फरियादियों की समस्याओं के तत्काल समाधान की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि यदि एक ही समस्या लेकर फरियादी दूसरी बार आता है और उसकी समस्या सही है तो फिर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। सीएम योगी ने यह हिदायत सोमवार को सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में दूरदराज से आए लोगों की फरियाद सुनने के बाद दी। उन्होंने लोगों को समाधान का भरोसा देते हुए अधिकारियों से कहा कि प्रशासन हर समस्या का उचित समाधान समयबद्ध ढंग से कराए। सीएम योगी ने कहा कि यदि पीड़ित एक ही समस्या को लेकर दूसरी बार आया और वह समस्या वास्तविक रही तो जवाबदेही तय होगी। पीड़ित की संतुष्टि सरकार का ध्येय है।

दूकान पर पहुंचकर मारा पीटा: न्याय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी अलगू प्रसाद ने थानाध्यक्ष को तहरीर देकर कहा है कि उनकी एक दूकान गनेशपुर के शंकरनगर सिकटा मार्ग पर स्थित है। सिकटा निवासी कामता प्रसाद पुत्र मेहीलाल के पुत्र सौरभ सोनी, गोलू, मनीष आदि आये और मोटर साईकिल पर बिठाकर जबरिया ले जाने लगे। लोगों के शोर मचाने पर अलगू की जान बची। अलगू प्रसाद के अनुसार उक्त लोग जबरिया दूकान और जमीन को हड़प लेना चाहते हैं।

पीड़ित के अनुसार, 3 अक्टूबर को घटित घटना को लेकर उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि घटना से वह भयभीत है और उसे आरोपियों से खतरा बना हुआ है। उसने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।

बस्ती की पांचों विधानसभा सीटों पर सपा ने नियुक्त किए प्रभारी और सह-प्रभारी

समाजवादी पार्टी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समाजवादी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जनपद की सभी पांच विधानसभा सीटों के लिए प्रभारी और सह–प्रभारियों की जिम्मेदारी तय कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के आदेश के क्रम में जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव की ओर से जारी कार्यालय ज्ञाप में इन नियुक्तियों की जानकारी दी गई है।

सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि 307 हरैया विधानसभा की जिम्मेदारी जिला उपाध्यक्ष समीर चौधरी को प्रभारी के रूप में दी गई है। जिला उपाध्यक्ष गुलाम गौश और राम आशीष यादव तूफानी को सह–प्रभारी बनाया गया है। 308 कप्तानगंज विधानसभा में जिला महासचिव मो. स्वालेह प्रभारी होंगे, वहीं डॉ. वीरेन्द्र यादव और राजेश गौतम को सह–प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। 309 रुधौली विधानसभा में जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र यादव को प्रभारी बनाया गया है। जिला उपाध्यक्ष एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रुधौली धीरसेन निषाद और सहाबुद्दीन सह–प्रभारी का दायित्व निभाएंगे। 310 बस्ती सदर विधानसभा में जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी को प्रभारी बनाया गया है, जिला सचिव ज्ञान चंद्र चौधरी और जिलाध्यक्ष–व्यापार सभा रघुनन्दन राम साहू को सह–प्रभारी नियुक्त किया गया है। 311 महादेवा विधानसभा में जिला उपाध्यक्ष रणजीत यादव 'रिंटू' प्रभारी होंगे, जिला सचिव निसार अहमद और राजेश यादव को सह–प्रभारी बनाया गया है। सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों से पार्टी की मंशा के अनुरूप अपने दायित्वों और कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान की अपेक्षा की गई है।

तीन दिवसीय मथुरा चलो कार्यक्रम में हिस्सा लेने जायेंगे विश्व हिन्दू महासंघ कार्यकर्ता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सनातन संस्कृति, गौ रक्षा और धार्मिक स्थलों के संरक्षण को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में 16, 17 और 18 नवंबर को प्रस्तावित 'मथुरा चलो' कार्यक्रम को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में मथुरा पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि बस्ती से लगभग 500 कार्यकर्ता कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि अथक प्रयास के बाद श्री अयोध्या धाम में भव्य श्रीराम मंदिर का संकल्प साकार हुआ, अब मथुरा की बारी है। उन्होंने 'मथुरा चलो' कार्यक्रम को हिंदुत्व से जुड़ा गौरवशाली आयोजन बताया और कार्यकर्ताओं से इसमें सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

इस दौरान गौ रक्षा प्रदेश उपाध्यक्ष विजय शंकर शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ कुलदीप मिश्रा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी,

—बैठक में बनी रणनीति, अयोध्या, काशी के बाद अब मथुरा की बारी का दिया संदेश

सनातन वाहिनी के समर प्रताप सिंह, गौ रक्षा प्रदेश सलाहकार अमरजीत सिंह, विन्द गोपाल त्रिपाठी, सनातन रक्षा वाहिनी अध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, गौ रक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण दुबे, मातृ शक्ति जिलाध्यक्ष श्रीमती पूनम सिंह, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉ. पंकज त्रिपाठी सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों ने 'मथुरा चलो' कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय महामंत्री सौरभ चतुर्वेदी, राजकुमार मंटू चौधरी, शिवलाल प्रेमी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह, सुरेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. परशुराम साहनी, रितेश मिश्रा, उज्जवल सिंह, शैलेश शुक्ला, रवि सिंह, बाबा जय प्रकाश जी, बाबा देवेंद्र दास, अरुण सिंह, अमित त्रिपाठी, सतीश पाण्डेय पप्पू, रूप नारायण गौड़, अभय चौधरी, संदीप चौरसिया, शिवम मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय, राजन पाल, अभिषेक सिंह, चंद्रमणि त्रिपाठी, अरविंद सिंह, आजाद सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला पदाधिकारियों में ममता शर्मा, कंचन विश्वकर्मा, सोनी, अनुसूया, डॉ. रेखा मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन सनातन एकता और सामाजिक जागरूकता के संकल्प के साथ हुआ।

कांग्रेस ने निकाला वोट बचाओ देश बचाओ मार्च: गूंजा वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा

–मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बर्खास्तगी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह कार्यक्रम के तहत कांग्रेस पार्टी ने वोट बचाओ देश बचाओ मार्च का आयोजन किया। पार्टी दफ्तर से सैकड़ों कांग्रेसी सरकार और चुनाव आयोग के विरोध में नारेबाजी करते हुये पैदल मार्च कर बीडीए परिसर स्थित बापू की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे। यहां संविधान के अनुच्छेद 326 का पाठ व राष्ट्रगान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

विश्वनाथ चौधरी ने कहा संविधान विरोधी ताकतों ने लोकतंत्र को बेहद कमजोर कर दिया है। संवैधानिक संस्थायें सत्ता की गुलाम बनकर रह गई हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू ने कहा जेन जी से लेकर सारे विपक्षी दल संविधान बंचाने के लिये सड़कों पर उतरे हैं लेकिन सरकार घमंड और अहंकार में चूर है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार चाहे जितनी कोशिश कर ले, जिस पार्टी ने देश की आजादी के लिये संघर्ष किया वह संविधान और लोकतंत्र की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी कार्यकर्ता कुर्बानी देने को तैयार हैं। जिला उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव, डा. आलोक रंजन, डा. वाहिद अली ने कहा जिस दल का देश की आजादी में कोई योगदान नहीं है वह संविधान और लोकतंत्र का महत्व क्या जाने। कांग्रेस पार्टी हर कीमत पर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेगी। कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बर्खास्तगी की मांग की गई।

वोट बचाओ देश बचाओ मार्च कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शौकत अली नन्हू, मो. रफीक खां, अनिल कुमार भारती, अलीम अख्तर, राहुल चौधरी, दीपेन्द्र सिंह, सर्वेश शुक्ला, नर्वदेश्वर शुक्ला, कर्नल एके सिंह, कौशल कुमार त्रिपाठी, श्रीमती मंजू पाण्डेय, मारूफ अली, जयंत चौधरी, रामभवन शुक्ल, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, सुनील पाण्डेय, लालजीत पहलवान, इन्तेखाब अहमद, अफजल हुसेन, रामबाबू उर्फ कल्पू, श्रवण पाण्डेय, पिंटू मिश्रा, देवी प्रसाद पाण्डेय, अमरबहादुर सिंह, उमेश दूबे, सलाउद्दीन, मो. अहमद, संजीव त्रिपाठी, आलोक तिवारी, यशराज केके, दिलीप श्रीवास्तव, आनंद निषाद, रामबहादुर सिंह, रामबचन भारती, अतीउल्लह सिद्धिकी, इम्तियाज अहमद, बृजभान कनौजिया, अमर सिंह, अशरफ अली, दुर्गेश चौधरी, मनीष दूबे, मो. शादाब, उमेश उपाध्याय, जमील अहमद, मदनलाल मद्धेशिया, मुकेश साहनी, नवीन कनौजिया, रविन्द्र चौधरी, छोटे खान, दूधनाथ पटेल, शोभित चौधरी, संजय चौधरी, रामप्रीत दुसाद, शेषराम चौधरी, अखिलेश, फजले आलम, संजय कुमार, राजकुमार, जगदीश शर्मा, शुभम गांधी आदि शामिल रहे।

लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता के स्थानान्तरण, निलम्बन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन अध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लघु सिंचाई विभाग में तैनात अवर अभियंता पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके स्थानांतरण और निलंबन की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद बस्ती के लघु सिंचाई विभाग में पिछले कई वर्षों से करोड़ों रुपये के सरकारी कार्यों में अनियमितता की जा रही है। संगठन का कहना है कि किसानों के नाम पर बिना बोरिंग कराए भुगतान किए जाते तथा कुछ किसानों के नाम पर फर्जी तरीके से भुगतान कराने की शिकायतें सामने आई हैं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि कई किसानों को बोरिंग से संबंधित सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई, जबकि उनके नाम पर भुगतान करा लिया गया। ज्ञापन

में अवर अभियंता परविंदर सिंह के संबंध में भी आरोप लगाते हुए कहा गया कि उनका स्थानांतरण शासन स्तर से किए जाने के बावजूद वह जनपद बस्ती में अटैचमेंट के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। संगठन ने उनके कार्यकाल में कराए गए कार्यों की जांच कराने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच के बाद कार्रवाई की मांग की है। आर. के. आरतियन ने कहा कि यदि उनकी मांगों को 48 घंटे के अंदर पूरी नहीं की गई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर आवश्यक कार्यवाई की मांग की।

ज्ञापन देने के दौरान राम सुमेर यादव, मंडल उपाध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, हृदय राम गौतम, मंडल अध्यक्ष बीएमपी, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी, कृपा शंकर वर्मा, छट्ठीदीन, शिवकुमार, मो. अजीम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 अक्टूबर 2026, मंगलवार

सम्पादकीय

बदलती लोकतांत्रिक भाषा

लोकतंत्र में जनता की राय हमेशा से महत्वपूर्ण रही है, लेकिन डिजिटल युग में इस राय को बनाने और प्रभावित करने का तरीका तेजी से बदल रहा है। आज चुनावी मैदान केवल रैलियों, भाषणों और पोस्टरों तक सीमित नहीं रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब राजनीतिक संवाद का सबसे बड़ा माध्यम बन चुके हैं। नेताओं की लोकप्रियता, मुद्दों की चर्चा और जनता की प्रतिक्रियाकृसब कुछ कुछ ही मिनटों में हजारों–लाखों लोगों तक पहुंच जाता है।

सोशल मीडिया ने लोकतंत्र को एक नई ताकत दी है। पहले जहां आम नागरिकों की आवाज बड़े मीडिया संस्थानों या राजनीतिक मंचों तक सीमित रहती थी, वहीं अब कोई भी व्यक्ति अपनी बात सीधे जनता तक पहुंचा सकता है। गांवों और छोटे शहरों के मुद्दे भी डिजिटल माध्यमों से राष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन रहे हैं। युवाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ी है और सरकारों तक जनता की प्रतिक्रिया पहले से अधिक तेजी से पहुंच रही है।

लेकिन इस बदलाव का दूसरा पक्ष भी गंभीर है। सोशल मीडिया पर सूचनाओं की तेज रफ्तार के साथ गलत जानकारी और भ्रामक प्रचार की समस्या भी बढ़ी है। कई बार बिना जांचे–परखे खबरें वायरल हो जाती हैं और समाज में भ्रम की स्थिति पैदा करती हैं। चुनाव के समय यह चुनौती और बड़ी हो जाती है, क्योंकि गलत सूचना मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर सकती है।

राजनीतिक संवाद में गिरती भाषा भी चिंता का विषय है। विचारों और नीतियों पर बहस के बजाय व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोप, ट्रोलिंग और भावनात्मक मुद्दों को अधिक महत्व मिलने लगा है। लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं होती, बल्कि स्वस्थ बहस और जिम्मेदार संवाद से होती है।

राजनीतिक दलों और नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे सोशल मीडिया को केवल प्रचार का माध्यम न बनाएं, बल्कि जनता से संवाद का जरिया भी बनाएं। वहीं नागरिकों को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली हर जानकारी को सच मानने से पहले उसकी पुष्टि करनी चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में तकनीक की भूमिका आने वाले वर्षों में और बढ़ने वाली है। इसलिए जरूरी है कि डिजिटल राजनीति पारदर्शिता, तथ्य और जिम्मेदारी के रास्ते पर आगे बढ़े। सोशल मीडिया लोकतंत्र को मजबूत करने का माध्यम बन सकता है, लेकिन इसके लिए समाज को जागरूक और राजनीतिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह होना होगा।

लोकतंत्र की असली ताकत केवल वोट देने में नहीं, बल्कि सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेने में है। डिजिटल दौर में यही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

बदलते भारत में युवाओं का भविष्य

भारत को दुनिया का सबसे युवा देश कहा जाता है। देश की बड़ी युवा आबादी को अक्सर विकास की सबसे बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। लेकिन यही युवा शक्ति तब चुनौती में बदल सकती है, जब शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर लगातार बढ़ता जाए। आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि युवाओं के पास डिग्रियां कितनी हैं, बल्कि यह है कि उनके पास भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल कितना है।

पिछले कुछ वर्षों में उच्च शिक्षा का विस्तार तेजी से हुआ है। छोटे शहरों और गांवों से बड़ी संख्या में युवा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक पहुंच रहे हैं। यह एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन दूसरी ओर रोजगार बाजार की वास्तविकता यह है कि कई शिक्षित युवा भी नौकरी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल की कमी है।

आज का रोजगार बाजार तेजी से बदल रहा है। तकनीक, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल अर्थव्यवस्था ने काम करने के तरीकों को बदल दिया है। ऐसे में केवल पारंपरिक डिग्री पर्याप्त नहीं रह गई है। युवाओं को तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ संचार कौशल, समस्या समाधान क्षमता और व्यावहारिक अनुभव की भी आवश्यकता है।

सरकार ने कौशल विकास, स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन इनका लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाना अभी भी बड़ी चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधन और रोजगार से जुड़ी सही जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है।

शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। स्कूल और कॉलेजों में केवल परीक्षा आधारित ज्ञान के बजाय व्यावहारिक शिक्षा, इंटर्नशिप और उद्योग से जुड़ी सीख को बढ़ावा देना होगा। जब शिक्षा रोजगार और आत्मनिर्भरता से जुड़ेगी, तभी युवा देश की आर्थिक प्रगति में बड़ी भूमिका निभा पाएंगे।

युवाओं को भी बदलते समय के साथ अपनी सोच बदलनी होगी। सरकारी नौकरी को ही सफलता का एकमात्र रास्ता मानने के बजाय नए अवसरों, उद्यमिता और नई तकनीकों को अपनाना होगा। आज कई क्षेत्रों में छोटे स्तर से शुरू किए गए प्रयास भी बड़े रोजगार और व्यवसाय में बदल सकते हैं।

भारत के पास युवा शक्ति का बड़ा अवसर है, लेकिन इसे सही दिशा देने की जरूरत है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और अवसर मिलते हैं, तो यही पीढ़ी भारत को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

युवा केवल देश का भविष्य नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं। जरूरत है कि उनकी ऊर्जा को सही दिशा, सही प्रशिक्षण और सही अवसर मिले। भारत के पास युवा शक्ति का बड़ा अवसर है, लेकिन इसे सही दिशा देने की जरूरत है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और अवसर मिलते हैं, तो यही पीढ़ी भारत को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

इसके लिए केवल सरकार की योजनाएं ही पर्याप्त नहीं होंगी, बल्कि समाज, शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत को भी मिलकर काम करना होगा।

सड़क चौड़ी हो, लेकिन जमीन का हिसाब भी साफ हो

अखिल कुमार यादव

सड़क जब चौड़ी होती है तो केवल डामर का विस्तार नहीं होता, उसके साथ जमीन की सीमाएं भी बदलती हैं। और जहां जमीन की सीमाएं बदलती हैं, वहां सबसे पहले सवाल सड़क का नहीं, राजस्व अभिलेखों का उठता है।

बस्ती जनपद के गोटवा, चिलमादृ ऊंजी मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की प्रस्तावित परियोजना को इसी नजरिए से देखने की जरूरत है। विकास के लिए बेहतर सड़क जरूरी है, लेकिन विकास की रफ्तार इतनी तेज भी नहीं होनी चाहिए कि रास्ते में आने वाले वैधानिक अधिकार और राजस्व अभिलेख पीछे छूट जाएं। गोटवादृचिलमादृऊंजी वाया उमरिया मार्ग के किमी 0.00 से 10.00 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की परियोजना को सरकारी स्तर पर शिलान्यास की परियोजनाओं में शामिल किया गया है, जिसे हाल ही में उच्चीकृत करते हुए अन्य जिला संपर्क मार्ग यानि ओडीआर का दर्जा दिया गया है। यह निश्चित रूप से क्षेत्रीय आवागमन के लिए महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर सड़क से ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क मजबूत होगा, बाजारों तक पहुंच आसान होगी, विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। लेकिन किसी भी सड़क परियोजना की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने किलोमीटर सड़क चौड़ी हुई। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सड़क बनाने की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी रही और उसके लिए इस्तेमाल होने वाली भूमि की स्थिति कितनी स्पष्ट थी।

जनपद बस्ती के विकास खंड सह तहसील बस्ती सदर से सम्बद्ध ग्राम पंचायत मरहा से जुड़े इस मार्ग के हिस्से में गाटा संख्या 851 को लेकर जो सवाल सामने आए हैं, वे इसी बड़े मुद्दे की ओर संकेत करते हैं। उपलब्ध दस्तावेज में इस गाटा की भूमि के स्वरूप को लेकर राजस्व अभिलेखों और मौके की स्थिति के बीच स्पष्टता की आवश्यकता दिखाई देती है। भूमि के एक हिस्से के सार्वजनिक प्रयोजन से जुड़े होने तथा दूसरे हिस्से के निजी खातेदारों से संबंधित होने की स्थिति में सड़क चौड़ीकरण से पहले यह तय होना जरूरी है कि वास्तविक सड़क सीमा कहां तक है और प्रस्तावित चौड़ीकरण में किस गाटे की कितनी भूमि प्रभावित होगी। यहीं से असली सवाल शुरू होता हैकृसड़क कितनी चौड़ी होगी, यह तो परियोजना बताएगी, लेकिन सड़क चौड़ी करने के लिए जमीन कहां से आएगी, यह राजस्व अभिलेख बताएंगे। यदि किसी भूमि का उपयोग पहले से सड़क के लिए हो रहा है तो यह भी देखना होगा कि उस भूमि की वर्तमान राजस्व स्थिति क्या है। यदि सड़क निर्माण के पुराने चरण में किसी निजी भूमि का उपयोग हुआ था तो उस समय की प्रक्रिया क्या थी? क्या भूमि का विधिवत अधिग्रहण हुआ था? क्या संबंधित भू–स्वामियों को प्रतिकर मिला था? क्या राजस्व अभिलेखों में उसका समुचित अंकन हुआ? ये सवाल पुराने विवाद को जीवित रखने के लिए नहीं, बल्कि नए विवाद को पैदा होने से रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं। किसी पुरानी स्थिति को केवल इसलिए सही नहीं माना जा सकता कि वह वर्षों से चली आ रही है। राजस्व अभिलेख और मौके की स्थिति यदि अलग–अलग हैं तो दोनों का मिलान होना ही चाहिए। सड़क का अस्तित्व अपने आप किसी निजी भूमि को सार्वजनिक भूमि में परिवर्तित नहीं कर देता और किसी भूमि का पुराने समय से सार्वजनिक उपयोग में होना भी उसके राजस्व स्वरूप की स्वतः पुष्टि नहीं करता। इसीलिए चौड़ीकरण से पहले दस्तावेज और जमीनकृदोनों को साथ रखकर स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है। इस मामले का एक और महत्वपूर्ण पहलू जल निकासी है। यदि संबंधित भूमि के किसी हिस्से का उपयोग नाली, जल निकासी अथवा सिंचाई व्यवस्था से जुड़ा है तो सड़क चौड़ीकरण के दौरान उसे केवल अतिक्रमण या अनुपयोगी भूमि समझकर समाप्त करना गंभीर भूल हो सकती है। गांव की सड़क केवल आने–जाने का रास्ता नहीं होतीय उसके दोनों ओर बनी नालियां वर्षा जल की निकासी और खेतों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सड़क चौड़ी हो जाए लेकिन पानी निकलने का रास्ता बंद हो जाए तो विकास की यही परियोजना बरसात में जलभराव की नई समस्या खड़ी कर सकती है।

इसलिए गोटवादृचिलमादृऊंजी मार्ग के चौड़ीकरण की योजना में सड़क की चौड़ाई के साथ–साथ ड्रेनेज प्लान भी स्पष्ट होना चाहिए। कहां नाली बनेगी, पानी किस दिशा में जाएगा, पुरानी जल निकासी व्यवस्था में क्या परिवर्तन होगा और यदि किसी नाली अथवा सार्वजनिक जलस्रोत की भूमि प्रभावित होती है तो उसका वैकल्पिक प्रबंध क्या होगाकृइन प्रश्नों का उत्तर परियोजना की योजना में होना चाहिए। सबसे पहले आवश्यकता है राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त पैमाइश की। केवल राजस्व नक्शे के आधार पर सड़क की सीमा तय करना पर्याप्त नहीं होगा और केवल मौके पर मौजूद सड़क देखकर जमीन की स्थिति तय करना भी उचित नहीं होगा। दोनों विभागों की संयुक्त टीम मौके पर जाकर गाटा संख्या, खसरा, खतौनी, नक्शा और वास्तविक भौतिक स्थिति का मिलान करे। प्रत्येक प्रभावित गाटे की सीमा स्पष्ट की जाए और प्रस्तावित सड़क की सीमा को मौके पर चिन्हित किया जाए।

संयुक्त पैमाइश के बाद एक ऐसी रिपोर्ट तैयार होनी चाहिए जिसमें साफ–साफ दर्ज हो कि वर्तमान सड़क की चौड़ाई कितनी है, प्रस्तावित चौड़ाई कितनी होगी, किस गाटा से कितनी भूमि प्रभावित होगी और संबंधित भूमि सार्वजनिक है अथवा निजी। यही रिपोर्ट आगे की पूरी प्रक्रिया का आधार बन सकती है। यदि किसी निजी खातेदार की भूमि प्रस्तावित चौड़ीकरण में आती है तो उसे केवल यह कहकर नहीं लिया जा सकता कि सड़क सार्वजनिक हित में बन रही है। सार्वजनिक हित महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी संपत्ति का अधिकार भी कानून से संरक्षित है। इसलिए संबंधित भूमि की पहचान, विधिसम्मत प्रक्रिया, आपत्ति का अवसर और नियमानुसार प्रतिकर की व्यवस्था होनी चाहिए। इससे सड़क भी बनेगी और भविष्य में भूमि विवाद के कारण परियोजना पर कानूनी प्रश्न भी नहीं उठेंगे। दूसरी ओर यदि कोई भूमि ग्राम सभा या अन्य सार्वजनिक प्रयोजन के लिए दर्ज है तो उसका भी विधिवत परीक्षण होना चाहिए। सार्वजनिक भूमि का इस्तेमाल भी निधारित प्रक्रिया के अनुसार ही होना चाहिए। खासकर ऐसी भूमि जो जल निकासी, सिंचाई अथवा अन्य सामुदायिक सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है, उसे सड़क परियोजना में शामिल करने से पहले उसके सार्वजनिक उपयोग की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। सड़क की स्वीकृत डीपीआर, प्रस्तावित राइट ऑफ वे, प्रभावित गाटों का विवरण और सीमांकन की रिपोर्ट को संबंधित लोगों के सामने रखा जाना चाहिए। इससे अफवाहों और आशंकाओं की जगह तथ्य सामने आएंगे। जिन लोगों की जमीन प्रभावित होने की संभावना है, उन्हें पहले से जानकारी मिलेगी और यदि किसी अभिलेख में गलती है तो उसे समय रहते ठीक किया जा सकेगा। यहां यह भी समझना होगा कि सड़क चौड़ीकरण का सवाल विकास के विरोध का सवाल नहीं है। बेहतर सड़क किसी भी गांव की जरूरत है। लेकिन विकास तभी टिकाऊ होता है जब वह कानून और जनहित दोनों को साथ लेकर चले। सड़क ऐसी बने कि आने वाली पीढ़ियां उसके लाभ को देखें, न कि उसकी भूमि को लेकर चलने वाले मुकदमों को।

गोटवादृचिलमादृऊंजी मार्ग का चौड़ीकरण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर को केवल निर्माण परियोजना न मानकर एक ऐसी प्रक्रिया बनाया जा सकता है

सपा–कांग्रेस का सियासी दांवपेंच

–संजय सक्सेना–

भारतीय राजनीति में तुष्टिकरण और वोट बैंक की सियासत कोई नई बात नहीं है, लेकिन वर्तमान दौर में यह बहस एक नए चरम पर पहुंच चुकी है। हाल के दिनों में देश की राजनीति में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिले हैं, उसने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस की नीतियों और नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और आम जनता के एक बड़े वर्ग का मानना है कि कांग्रेस आज उस चौराहे पर खड़ी है जहां वह वही काट रही है जो उसने बोया है। तुष्टिकरण की राजनीति में हद से आगे बढ़ जाने का आरोप झेल रही कांग्रेस पर यह लांछन लग रहा है कि वह बहुसंख्यक समाज की भावनाओं की अनदेखी करके और कुछ विशेष वर्गों को रिझाने के चक्कर में देश के स्वाभिमान तक से समझौता करने को तैयार दिखती है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों को लेकर अक्सर यह आलोचना होती है कि राष्ट्रहित से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी उनका रुख देश की सामूहिक भावना के विपरीत नजर आता है।

इस पूरे विमर्श को हाल ही में हुई एक बेहद संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय घटना ने और हवा दे दी है। दुबई से इजरायल जा रहे एक विमान को हाईजैक करके 09ध्11 जैसी भयानक त्रासदी को दोहराने की साजिश रची गई थी। इस विमान को एक हिंदुस्तानी पायलट स्मित मच्छार उड़ा रहे थे। कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस अदम्य साहस, सूझबूझ और जांबाजी का परिचय दिया, उसने न केवल सैकड़ों बेगुनाह यात्रियों की जान बचाई, बल्कि दुनिया को एक और भीषण आतंकी हमले से भी महफूज रखा। अपनी जान पर खेलकर देश का नाम रोशन करने वाले इस जांबाज पायलट की तारीफ पूरी दुनिया में हुई और हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। देश की जनता उम्मीद कर रही थी कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हर राजनीतिक दल इस नायक की सराहना करेगा, लेकिन इस मोर्चे पर कांग्रेस आलाकमान की रहस्यमयी खामोशी ने हर किसी को हैरान और आक्रोशित कर दिया। जब पूरा देश कैप्टन स्मित मच्छार के शौर्य को सलाम कर रहा था, तब कांग्रेस की यह चुप्पी आम लोगों को खटकने लगी। ऐसा प्रतीत हुआ कि पार्टी को शायद इस बात का डर था कि एक भारतीय नायक की खुलकर तारीफ करने से उसका एक खास वोट बैंक नाराज न हो जाए।

इस मामले में सियासत तब और गरमा गई जब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के बड़े नेता और पार्टी के रणनीतिकारों में शामिल इमरान मसूद का एक विवादास्पद बयान सामने आया। इमरान मसूद ने कैप्टन स्मित मच्छार की इस ऐतिहासिक जांबाजी और बहादुरी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित एक ष्इवेंटष् करार दे दिया। देश की सुरक्षा और एक सैनिक या पायलट के शौर्य को राजनीतिक इवेंट बताना न केवल उस बहादुर कप्तान का अपमान है, बल्कि देश की सुरक्षा एजेंसियों और राष्ट्र की अस्मिता पर भी चोट है। इमरान मसूद का यह बयान कांग्रेस की उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें देश के गौरव को भी शुद्ध रूप से चुनावी नफा–नुकसान के चश्मे से देखा जाता है। यूपी विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़े इस समय में कांग्रेस अपनी इस कथित तुष्टिकरण की नीति का प्रयोग कर राजनीतिक जमीन तलाशने की कोशिश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जनता अब इन चालों को समझने लगी है।

कांग्रेस की इस अति–सक्रिय तुष्टिकरण की राजनीति ने न केवल भाजपा को हमलावर होने का मौका दिया है, बल्कि खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हमदर्द बताने वाले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के माथे पर भी चिंता की लकीरें खींच दी हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति का इतिहास गवाह है कि जो मुस्लिम मतदाता आज समाजवादी पार्टी का सबसे मजबूत वोट बैंक माना जाता है, वह कभी पारंपरिक रूप से कांग्रेस का वफादार कोर वोटर हुआ करता था। बाबरी मस्जिद विध्वंस और उसके बाद के घटनाक्रमों के बाद यह वोटर कांग्रेस से छिटककर सपा और बसपा की तरफ मुड़ गया था। अब जब कांग्रेस प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में दोबारा उसी पुराने वोट बैंक को हासिल करने के लिए हर हद पार करने को आमादा दिख रही है, तो अखिलेश यादव को अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने का डर सता रहा है। यही वजह है कि सपा प्रमुख को भी कांग्रेस की यह आक्रामक मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति रास नहीं आ रही है, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर मुस्लिम मतों का बिखराव हुआ तो इसका सीधा फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

अगर अतीत के पन्नों को पलटकर देखें तो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों का इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा पड़ा है जहां हिंदुओं पर होने वाले अत्याचारों और हमलों पर इन दलों ने पूरी तरह चुप्पी साधे रखी, जबकि दूसरे पक्ष से जुड़े छोटे से छोटे मुद्दे को भी एक बड़ा बतंगड़ बना दिया। 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाने से लेकर 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे इस दोहरे मापदंड की सबसे बड़ी और खौफनाक मिसाल हैं। जब मुजफ्फरनगर में दंगे हुए उस समय राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे। मुजफ्फरनगर में एक लड़की से छेड़खानी के विरोध में शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते भयानक सांप्रदायिक दंगों में बदल गया। इस दंगे में बहुसंख्यक समाज के लोगों को निशाना बनाया गया, हजारों लोगों को अपने घरों से पलायन करना पड़ा और बड़े पैमाने पर जान–माल का नुकसान हुआ। आरोप लगते हैं कि तत्कालीन सपा सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी के हाथ बांध दिए थे ताकि एक विशेष वर्ग के उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई न हो। पीड़ित हिंदुओं की चीखें लखनऊ और दिल्ली के गलियारों में बैठे हुक्मरानों तक नहीं पहुंचीं। कांग्रेस, जो उस समय केंद्र की सत्ता में थी, उसने भी इस त्रासदी पर केवल राजनीतिक रोटियां सेकने का काम किया और दंगों के असली कारणों पर पर्दा डालते हुए बहुसंख्यक समाज को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। यह चुप्पी सिर्फ मुजफ्फरनगर तक सीमित नहीं रही है।

जीते जी सेवा,यही सच्चा श्राद्ध

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

भारतीय संस्कृति में माता–पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे संस्कारों में माँ के चरणों में ममता, त्याग और करुणा का संसार दिखाई देता है, तो पिता के जीवन में परिश्रम, जिम्मेदारी और सुरक्षा की छाया। माँ–बाप अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं। उनकी खुशियाँ बच्चों की मुस्कान में बसती हैं और उनका जीवन परिवार को सँवारने में बीत जाता है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस उम्र में उन्हें सबसे अधिक प्रेम, सम्मान और सहारे की आवश्यकता होती है, उसी समय कई बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षा के शिकार हो जाते हैं।

हमारे समाज में श्राद्ध, तर्पण और पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को याद करने की परंपरा है। लोग श्रद्धापूर्वक भोजन कराते हैं, दान देते हैं और धार्मिक कर्मकांड करते हैं। यह परंपरा हमारी सांस्कृतिक स्मृति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। लेकिन एक सवाल हमें अपने भीतर जरूर पूछना चाहिएकृ क्या उस श्रद्धा का अर्थ केवल मृत्यु के बाद के कर्मकांड तक सीमित है? यदि माँ–बाप जीवित हैं और उन्हें दो वक्त की रोटी, सम्मान के दो शब्द तथा अपनापन देने में हम पीछे हट जाते हैं, तो मृत्यु के बाद किया गया भव्य भोज हमारी संवेदनहीनता को कैसे ढक सकता है?

आज परिवारों में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन कई जगह भावनात्मक समृद्धि कम होती दिखाई देती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, नौकरी, व्यवसाय और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बीच माता–पिता के लिए समय निकालना कठिन समझा जाने लगा है। कई बुजुर्गों को घर में रहते हुए भी अकेलापन महसूस होता है। जिन पिता ने पसीना बहाकर घर बनाया, वही पिता बुढ़ापे में बेटे के व्यस्त जीवन में बाधा समझे जाने लगते हैं। जिन माताओं ने अपनी भूख दबाकर बच्चों को खिलाया, वही माँ कभी–कभी अपने ही घर में उपेक्षित हो जाती है। सबसे पीड़ादायक स्थिति तब होती है जब जीवित माँ–बाप को ताने मिलते हैं, उनकी आवश्यकताओं को बोझ समझा जाता है और उनकी भावनाओं को महत्व नहीं दिया जाता। मृत्यु के बाद उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाने के लिए लंबी कतार लग जाती है। जीते जी जिनसे बातचीत करने का समय नहीं था, उनके लिए मृत्यु के बाद बड़े–बड़े आयोजन किए जाते हैं। यह विरोधाभास केवल पारिवारिक समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है।

पिता का जीवन अक्सर परिवार के लिए संघर्ष की कहानी होता है। सीमित साधनों में उन्होंने बच्चों की शिक्षा, विवाह, घर और भविष्य की चिंता की। अपने सपनों को स्थगित कर बच्चों के सपनों को पूरा किया। माँ ने भी अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार की जरूरतों में लगा दिया। बीमारी में रात–रात भर जागना, बच्चों की छोटी–सी खुशी पर खिल उठना और कठिन समय में ढाल बनकर खड़ा होनाकृ माता–पिता के प्रेम का कोई आर्थिक मूल्य नहीं हो सकता। इसलिए बुढ़ापे में उनका सबसे बड़ा अधिकार संपत्ति नहीं, बल्कि सम्मान और अपनापन है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती जरूरत भी हमें सोचने के लिए मजबूर करती है। हर वृद्धाश्रम बुरी व्यवस्था का प्रतीक नहीं है। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि बुजुर्गों को विशेष देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन जब वृद्धाश्रम इसलिए चुनना पड़े कि अपने ही बच्चों के पास माता–पिता के लिए समय, धैर्य या सम्मान नहीं है, तब समस्या गंभीर हो जाती है। जिस घर को माता–पिता ने अपने खून–पसीने से बसाया, उसी घर से उनका भावनात्मक विस्थापन हमारे पारिवारिक मूल्यों की परीक्षा है।श्राद्ध का वास्तविक अर्थ केवल अन्न और दान में नहीं, बल्कि श्रद्धा में है। और श्रद्धा केवल मृतकों के लिए नहीं, जीवित माता–पिता के लिए भी होनी चाहिए। कौवे को भोजन कराना, ब्राह्मण को दान देना और धार्मिक अनुष्ठान करना अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यदि घर में बैठी माँ भूखी है, पिता दवा के लिए किसी का इंतजार कर रहे हैं और बच्चे उनसे बात करने तक को तैयार नहीं, तो हमें अपने धर्म और कर्म के अर्थ पर पुनर्विचार करना चाहिए।

माँ–बाप की सेवा कोई एहसान नहीं है। यह उस ऋण को पूरी तरह चुकाने का प्रयास भी नहीं, जिसे किसी संतान के लिए चुकाना संभव नहीं। यह केवल कर्तव्य हैकृमानवीय कर्तव्य, पारिवारिक कर्तव्य और नैतिक कर्तव्य। उनके साथ कुछ समय बैठना, उनकी बातें सुनना, उनकी दवाओं का ध्यान रखना, उन्हें सम्मान देना, उनकी पसंद–नापसंद समझना और उनके अकेलेपन को बाँटनाकृये छोटे–छोटे काम उनके लिए बहुत बड़ी खुशी बन सकते हैं। हमें अपने बच्चों को भी यही संस्कार देने होंगे।

वे वही सीखेंगे जो हमें करते देखेंगे। यदि बच्चे अपने दादा–दादी और नाना–नानी का सम्मान देखेंगे, तो उनके भीतर भी बुजुर्गों के प्रति संवेदना विकसित होगी। परिवार केवल एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं हैय परिवार वह भाव है जहाँ कमजोर पड़ते व्यक्ति को सबसे पहले सहारा मिलता है।

मृत्यु के बाद फूल चढ़ाना आसान है, लेकिन जीवन रहते किसी के आँसू पोंछना कठिन। तस्वीर पर माला डालना आसान है, लेकिन रोज कुछ मिनट बैठकर माँ–बाप की बातें सुनना सच्ची परीक्षा है। भोज कराने से बड़ा पुण्य यह है कि जीवित माता–पिता को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाए। तीर्थों में भगवान खोजने से पहले घर में मौजूद उन दो चेहरों को पहचानना जरूरी है, जिन्होंने हमारे जीवन को अर्थ दिया।

इसलिए श्राद्ध और पितृपक्ष हमें केवल अपने दिवंगत पूर्वजों की स्मृति न दिलाएँ, बल्कि जीवित माता–पिता के प्रति अपने दायित्व का भी बोध कराएँ। पिंडदान से पहले प्रेम का दान हो, कर्मकांड से पहले करुणा हो और श्रद्धा से पहले सेवा हो। क्योंकि माँ–बाप के चरणों में केवल तीर्थ नहीं, हमारी अपनी जड़ों का संसार बसता है।

जीते जी उन्हें सम्मान दे दिया, तो यही सबसे बड़ा श्राद्ध है। जीते जी उनकी आँखों में खुशी ला दी, तो यही सबसे बड़ा तर्पण है।

पेट में दो चीरा लगाकर निकाला बच्चा, मौत के बाद भड़के परिजन

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के कौवासार स्थित एएनएम सेंटर पर सोमवार सुबह उस समय हंगामा हो गया, जब शिशु की मौत से आक्रोशित परिजन शव लेकर पहुंच गए। परिजनों ने एएनएम सेंटर का घेराव कर प्रदर्शन किया। इसके बाद क्रांति चौराहा स्थित निजी अस्पताल पहुंचकर भी विरोध जताया। परिजनों ने एएनएम और निजी अस्पताल के चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। बताया गया कि कौवासार निवासी गोविंद की पुत्री रेखा को शनिवार देर रात करीब दो बजे प्रसव पीड़ा हुई। रविवार को परिजन उसे कौवासार स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। परिजनों के

अनुसार, वहां महिला की हालत गंभीर बताकर तैनात एएनएम ने उसे क्रांति चौराहा स्थित एक निजी अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला के पेट में कथित तौर पर दो जगह चीरा लगाकर बच्चे को बाहर निकाला गया। जन्म के बाद शिशु की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बैकुंठी पुल के समीप स्थित दूसरे निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां भी हालत में सुधार नहीं होने पर शिशु को महराजगंज जिला अस्पताल भेजा गया। इसके बाद चिकित्सकों ने उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय शिशु को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज कराया जा रहा था। सोमवार भोर करीब चार बजे इलाज के दौरान शिशु की मौत हो गई। शिशु की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सोमवार सुबह करीब नौ बजे परिजन शिशु का शव लेकर कौवासार स्थित एएनएम सेंटर पहुंचे और घेराव करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

इसके बाद परिजन क्रांति चौराहा स्थित निजी अस्पताल भी पहुंचे और वहां विरोध जताया। परिजनों का कहना है कि प्रसूता रेखा का इलाज अभी उसी निजी अस्पताल में चल रहा है। रेखा पिछले कुछ महीनों से अपने मायके कौवासार में रह रही थी। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर इलाज में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विदेश भेजने के नाम पर 11.63–लाख की ठगी का आरोप

संवाददाता–देवरिया। विदेश भेजने के नाम पर तरकुलवा क्षेत्र के करीब एक दर्जन युवकों से 11.63 लाख रुपए लेने के बाद कंपनी का कार्यालय बंद कर फरार होने का आरोप लगा है। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे पीड़ित कार्यालय पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला। इसके बाद नाराज युवकों ने हंगामा किया। पीड़ितों ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कंपनी, उसके एजेंट और रकम की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। तरकुलवा के हरपुर निजाम चक निवासी सुजीत चौहान समेत अन्य पीड़ितों का आरोप है कि सीसी रोड स्थित कार्यालय से यूनिक मैनेजमेंट सर्विस के नाम पर विदेश भेजने का काम किया जाता था। कंपनी से जुड़े एजेंट आशीष कुमार बिष्ट ने विदेश भेजने का भरोसा देकर उनसे अलग–अलग रकम ली। पीड़ितों के अनुसार, अलग–अलग लोगों से 10 हजार, 48 हजार, 40 हजार, 4.50 लाख, 40 हजार, 30 हजार, 3.50 लाख, 55 हजार, 55 हजार, 35 हजार और 50 हजार रुपए लिए गए। आरोप है कि रकम लेने के बाद उन्हें काफी समय तक विदेश भेजने के नाम पर दौड़ाया जाता रहा।

पीड़ितों का आरोप है कि कुछ युवकों को वीजा और अन्य दस्तावेज देकर विदेश भेजा गया, लेकिन वे संबंधित देश पहुंचने से पहले ही एयरपोर्ट से वापस कर दिए गए। इसके बाद भी उनकी रकम वापस नहीं की गई। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने कंपनी से संपर्क करने का प्रयास किया तो कार्यालय बंद मिला। संबंधित लोगों के मोबाइल फोन भी बंद बताए जा रहे हैं।

सोमवार को सुजीत चौहान, मोहन चौहान, घनश्याम चौहान समेत अन्य पीड़ित कंपनी के कार्यालय पहुंचे। काफी देर तक जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन कार्यालय पर ताला लगा मिला। इसके बाद उन्होंने वहां हंगामा किया। बाद में सभी पीड़ित सदर कोतवाली पहुंचे और लिखित तहरीर देकर पूरे मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कंपनी और उसके एजेंट पर विदेश भेजने के नाम पर ली गई रकम की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

5 गांवों में हक की लड़ाईः 1994 में मिला पट्टा, 31 साल बाद भी कब्जा नहीं! पट्टाधारकों ने घेरा कसया तहसील

संवाददाता–कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के रहसू जनूबी पट्टी सहित अन्य पांच गांवों के पट्टाधारकों ने वर्ष 1994 में आवंटित कृषि भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जी अक्षय दीपक को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने पट्टे की जमीन की मौके पर जांच कराकर वास्तविक पट्टाधारकों को कब्जा दिलाने की मांग की। ज्ञापन में रहसू जनोबी पट्टी, सरैया महंथ पट्टी, कनौरा, घुनवलिया और मधुरिया गांव के लोगों ने कहा कि वर्ष 1994 में उन्हें कृषि योग्य भूमि का पट्टा मिला था। इसके बावजूद आज तक जमीन पर उनका कब्जा नहीं हो सका है। ग्रामीणों के अनुसार तहसील प्रशासन की ओर से जमीन पर स्टे होने की बात कही जाती है।

उन्होंने स्टे संबंधी आदेश दिखाने और स्टे नहीं होने की स्थिति में पट्टाधारकों को कब्जा दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पट्टे की जमीन पर कुछ लोग कई वर्षों से जुताई–बुआई कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर जमीन खाली कराने की मांग की। साथ ही खतौनी में पट्टाधारकों के नाम दर्ज होने के बावजूद मौके पर कब्जा नहीं होने की भी जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि मामले की बिंदुवार जांच कर विधि सम्मत कार्रवाई नहीं हुई तो तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी। इस दौरान अविनाश गोंड, प्रियेश गोंड, सुनीता देवी, किरण देवी, चमेली देवी, कुसुम देवी, अमर देवी, समन देवी, सुमन प्रसाद, रामप्रसाद यादव, साहिब गोंड, सिद्धनाथ प्रसाद, दिनानाथ प्रसाद, चंदन प्रसाद, रघुनाथ गोंड, रामधन गोंड, सरयू देवी, ममता देवी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बट्टूपुर
विकास खण्ड कप्तानगंज जनपद -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु कूडा निस्तारण हेतु ई–रिक्शा, की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता/फर्मे दिनाकः 8.10.2026 से 15.10.2026 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 16.10.2026 दिन में 10.30 बजे ग्राम पंचायत बट्टूपुर विकास खण्ड कप्तानगंज के कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान/ प्रशासक राम प्रसाद — सचिव/ग्रां.प्र.अ.–सुमन देवी

ग्राम पंचायत-बट्टूपुर — ग्राम पंचायत- बट्टूपुर

विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती — विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती

पत्रांक मेमो / — दिनांक 5–10–2026

मेरे सपनों का भारत भाषण प्रतियोगिता में शालिनी गिरी प्रथम

संवाददाता–बलरामपुर। नमो सेवा अनकही कहानियां संकल्प अभियान के तहत पीएम मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर तक चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को पचपेड़वा में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम को विकसित भारत–2047 के संकल्प से जोड़ा गया। संकल्प अभियान के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का संचालन लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता राजेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू रहे। भाषण प्रतियोगिता में लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज के कक्षा 11 की छात्रा शालिनी गिरी ने प्रथम स्थान हासिल किया।

वहीं किसान इंटर कॉलेज गणेशपुर की सोनी गुप्ता ने द्वितीय और इसी विद्यालय की आराधना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विविध सेवा संस्थान लखनऊ की टीम के कलाकार सर्वजीत सिंह, संतोष, आकाश, शैलेश, संदीप, शिवानी, अनामिका, अभिषेक, विशाल, नेहा वर्मा, फैजल व शिवराम ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गैसड़ी जगदंबा सिंह शक्ति, नगर पंचायत अध्यक्ष पचपेड़वा रवि वर्मा समेत भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चुनाव आयुक्त के खिलाफ सड़क पर उतरे सपाई

संवाददाता–बहराइच। सोमवार दोपहर करीब एक बजे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंकने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिससे पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कार्यकर्ताओं ने पुतले का सिर जला दिया, जबकि पुलिस ने पुतले का धड़ छीन लिया। इससे मौके पर कुछ देर के लिए हंगामा हो गया। सपाइयों ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

सपाइयों ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए वोटों में हेराफेरी की जा रही है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को तुरंत पद से हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं ने सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने और ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने की भी मांग उठाई। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर पुलिस बल तैनात रहा।

तेरह भाई त्यागी आश्रम में व्यवस्थाओं को लेकर विवाद, संतों में आरोप–प्रत्यारोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी स्थित अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी आश्रम में व्यवस्थाओं और मरम्मत कार्यों को लेकर संतों के बीच विवाद गहरा गया है। आश्रम तेरा स्थान में से एक स्थान का देखरेख और निर्माण कार्यों को लेकर सुनील दास और महंत बृजमोहन दास के बीच मतभेद सामने आए हैं। सुनील दास ने महंत बृजमोहन दास पर साफ–सफाई, लिपाई–पुताई और मरम्मत कार्यों में बाधा डालने तथा विरोध करने का आरोप लगाया है। वहीं, आश्रम से जुड़े संतों ने व्यवस्थाओं को लेकर अपना पक्ष रखा है। मामले में आरोप–प्रत्यारोप के बीच अब प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।सुनील दास का कहना है कि बर्फानी दादा के शिष्य बाल योगी लक्ष्मण दास महाराज ने उन्हें आश्रम की देखरेख और व्यवस्थाओं के संचालन के लिए अधिकारी नियुक्त किया है। इसके बाद वह आश्रम में साफ–सफाई, लिपाई–पुताई, प्लास्टर और आवश्यक मरम्मत कार्य करा रहे हैं। उनका आरोप है कि इन कार्यों को लेकर महंत बृजमोहन दास की ओर से लगातार विरोध किया जा रहा है। सुनील दास ने गाली–गलौज करने और लाठी–डंडे से डराने का भी आरोप लगाया है।सुनील दास के मुताबिक, विवाद को लेकर वह थाना,

क्षेत्राधिकारी, चौकी प्रभारी और एसएसपी स्तर पर शिकायत कर चुके हैं। उनका दावा है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आश्रम में पूर्व में रह रहे संत रामशरण दास के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी संत सेवा समिति के अध्यक्ष महंत राम लखन दास त्यागी ने कहा कि आश्रम की संपत्ति किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि पंच की सामूहिक संपत्ति है। भोजनालय समेत आश्रम की अन्य सुविधाएं संतों के उपयोग के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सुनील दास की ओर से कराए जा रहे साफ–सफाई, लिपाई–पुताई और मरम्मत के कार्य जनहित से जुड़े हैं। समिति को इन कार्यों पर आपत्ति नहीं है और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्हें सहयोग दिया जाना चाहिए।महंत राम लखन दास ने बताया कि तेरह भाई त्यागी परंपरा में 13 श्रीमहंत और उनके अधीन बड़ी संख्या में महंत जुड़े हैं। धार्मिक आयोजनों और मेलों के दौरान आश्रम में संतों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में आश्रम की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखना आवश्यक है।महंत परमेश्वर दास ने बताया कि बर्फानी दादा 13 महंतों में से एक थे। उनके बाद उनके शिष्य लक्ष्मण दास व्यवस्था देखते रहे। उनका कहना है कि वर्तमान में सुनील दास की ओर से आश्रम में प्लास्टर, मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्य कराए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों को लेकर विरोध की स्थिति बनी है। उनके अनुसार आश्रम की देखरेख और समय–समय पर मरम्मत जरूरी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत तिलकपुर
विकास खण्ड कप्तानगंज जनपद -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु कूडा निस्तारण हेतु ई–रिक्शा, की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता/फर्मे दिनाकः 8.10.2026 से 15.10.2026 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 17.10.2026 दिन में 10.30 बजे ग्राम पंचायत तिलकपुर विकास खण्ड कप्तानगंज के कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान/प्रशासक उमलेश मिश्रा — सचिव/ग्रां.पं.अ.–सुमन देवी

ग्राम पंचायत-तिलकपुर — ग्राम पंचायत-तिलकपुर

विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती — विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती

पत्रांक मेमो / — दिनांक 5–10–2026

सीएमओ कार्यालय पर आशाओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। आशा व आशा संगिनी कर्मचारी यूनियन के बैनर तले सोमवार को सभी पदाधिकारियों, आशा, व आशा संगिनियों ने मेडिकल कॉलेज परिसर में सीएमओ कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। अपनी समस्याओं संबंधी मांग पत्र सीएमओ डॉ. संतलाल पटेल को सौंपा। मुख्य चिकित्साधिकारी को सौंपे ज्ञापन में संगठन की अध्यक्ष अनीता शुक्ला के नेतृत्व में सभी आशा व आशा संगनियों ने राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, मानदेय 26 हजार रुपए प्रति माह निश्चित समय पर देने, ईपीएफ, पेंशन का लाभ देने सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। इसमें सुधा पांडेय ,सरिता देवी, अर्चना ,पुष्पा देवी, सूरत सिंह, संगीता सिंह, रंजन सिंह, चुन्नी देवी ,प्रियंका,नीलम पाण्डेय, किरन मिश्रा, बबिता मिश्रा, ब्रहमावती, सबीहा खातून, शिवानी ,रीमा सिंह ,संगीता मिश्रा, कमलेश कुमारी, उर्मिला पांडेय ,दीपमाला, कमलेश तिवारी ,मीरा देवी ,रेखा देवी, कमलेश कुमारी, कुसुम सिंह, रीता देवी ,रेनू देवी, रागिनी सिंह, सहित सैकड़ो आशा व संगिनी उपस्थिति रही।

पहले 5वीं मंजिल की टंकी में मिला शव, अब दूसरी मंजिल से गिरकर मरीज की मौत, मौत या आत्महत्या?

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज के मेडिकल वार्ड की दूसरी मंजिल से रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर एक मरीज की मौत हो गई। घटना को लेकर अलग–अलग बातें सामने आ रही हैं। मरीज के खिड़की से कूदकर आत्महत्या करने की चर्चा है, जबकि अधिकारियों का कहना है कि मरीज हाथ छुड़ाकर भाग रहा था और इसी दौरान दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया।

ऑनलाइन उपलब्ध रिपोर्टों में भी घटना को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। एक रिपोर्ट में मरीज के दूसरी मंजिल से छलांग लगाने की बात कही गई है, जबकि दूसरी रिपोर्ट में उसे खिड़की से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरना बताया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम मधुसूदन हुल्गी ने सदर तहसीलदार अलका सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है।

बिहार के गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के महदेवा बाजार निवासी रामानुज चौहान (60) मेडिकल कॉलेज के वार्ड संख्या दो

में भर्ती थे। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार मरीज लीवर की बीमारी से ग्रसित था। रविवार रात वह दूसरी मंजिल से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर काफी रक्तस्राव हुआ।

इसके बाद उन्हें उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन कुछ समय बाद मौत हो गई। घटना के बाद प्राचार्य डॉ. रजनी पटेल और सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव लेकर घर चले गए। मरीज दूसरी मंजिल से नीचे कैसे पहुंचा, यही जांच का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। यदि अधिकारियों के मुताबिक वह किसी का हाथ छुड़ाकर भाग रहा था तो सवाल है कि उसे कौन पकड़कर रखे था? उसने हाथ क्यों छुड़ाया? इसके बाद वह किस रास्ते भागा और खिड़की तक कैसे पहुंच गया? घटना के समय वार्ड में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मी कहां थे? इसकी भी जांच जरूरी है। घटना ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। अक्तूबर 2025 में इसी मेडिकल कॉलेज के नवीन भवन की पांचवीं मंजिल पर स्थित पानी की टंकी में अशोक गावंडे का शव मिला था। उस समय भी सवाल उठा था कि कोई व्यक्ति सुरक्षा व्यवस्था को पार कर पांचवीं मंजिल और पानी की टंकी तक कैसे पहुंच गया। इसके अलावा 30 सितंबर को प्रसव के बाद नवजात की मौत के मामले में भी परिजनों ने स्टाफ की लापरवाही का आरोप लगाया था और मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जांच के लिए टीम बनाई थी। अब दूसरी मंजिल से मरीज के गिरने की घटना ने वार्डों की खिड़कियों, मरीजों की निगरानी और अस्पताल के अंदर सुरक्षा इंतजाम की फिर से पड़ताल की जरूरत खड़ी कर दी है।

डीएम मधुसूदन हुल्गी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज में मरीज की गिरने से मौत की जानकारी मिली है। सदर तहसीलदार अलका सिंह के नेतृत्व में सीएमएस समेत तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने मरीज के एल्कोहलिक होने की जानकारी मिलने की बात भी कही है। अब जांच से ही स्पष्ट होगा कि मरीज ने खिड़की से छलांग लगाई, भागने के दौरान दुर्घटनावश गिरा या घटना के पीछे कोई दूसरी वजह थी।

कार्यालय ग्राम पंचायत बढ़नी
विकास खण्ड कप्तानगंज जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु कूडा निस्तारण हेतु ई–रिक्शा, की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता/फर्मे दिनाकः 8.10.2026 से 15.10.2026 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 19.10.2026 दिन में 10.30 बजे ग्राम पंचायत बढ़नी विकास खण्ड कप्तानगंज के कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान/प्रशासक राजबली — सचिव/ग्रां.पं.अ.–सुमन देवी

ग्राम पंचायत-बढ़नी — ग्राम पंचायत-बढ़नी

विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती — विकास खण्ड-कप्तानगंज बस्ती

पत्रांक मेमो / — दिनांक 5–10–2026

ग्राम प्रधान के घर 40 लाख की चोरी

संवाददाता–बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र की संकल्पा ग्राम पंचायत की प्रधान के घर रविवार–सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने धावा बोला। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर करीब 7–8 किलो चांदी, 200 ग्राम सोने के आभूषण और 70 हजार रुपये नकदी समेत लगभग 40 लाख रुपये का सामान चुरा लिया। सोमवार सुबह परिजनों के जागने पर चोरी का पता चला। प्रधान पति शेर अली ने बताया कि परिवार के लोग घर में सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने अलमारी से जेवरात और नकदी चुराई। सुबह जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सुबह करीब सात बजे उपनिरीक्षक कवीन्द्र नाथ सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिवार से जानकारी ली और जांच शुरू की।

रामलला–हनुमानगढ़ी में शीश नवाकर बोले राजनाथ, योगी फिर बने सरकार तो स्कूलों में पढ़ाया जाए वैदिक गणित

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। रामलला और हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को रानोपाली स्थित उदासीन ऋषि संगत आश्रम पहुंचे। गुरु पर्व महोत्सव के समापन समारोह में संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि योगी आदित्यनाथ दोबारा प्रदेश की सरकार बनाते हैं तो वह उनसे आग्रह करेंगे कि उत्तर प्रदेश के सभी विद्यालयों में वैदिक गणित पढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित की विशिष्ट भूमिका रही है और वैदिक गणित की उपयोगिता आज विदेशों में भी स्वीकार की जा रही है। उन्होंने लंदन स्कूल आफ इकोनॉमिक्स में वैदिक गणित पढ़ाए जाने का भी उल्लेख किया।अयोध्या पहुंचने के बाद राजनाथ सिंह ने पहले रामलला के दरबार में दर्शन–पूजन किया। इसके बाद हनुमानगढ़ी पहुंचकर बजरंगबली के चरणों में शीश नवाया और गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज का आशीर्वाद लिया। परिसर में श्री संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत संजय दास और श्रृंगी ऋषि आश्रम के महंत हेमंत दास महाराज ने हनुमानजी की प्रतिमा भेंटकर उनका स्वागत किया। इसके बाद वह रानोपाली आश्रम पहुंचे, जहां संतों ने माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया।गुरु पर्व महोत्सव के समापन समारोह में रक्षा मंत्री ने अयोध्या को भारतीय चेतना, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र बताया। कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने आचरण से इस धरती को धर्म, न्याय और मर्यादा का संदेश दिया। अयोध्या की पहचान केवल धार्मिक नगरी के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रमुख केंद्र के रूप में है।राम मंदिर आंदोलन का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने संत समाज के योगदान को याद किया। कहा कि आंदोलन में संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अनेक संतों ने जेल की यातनाएं सहीं और त्याग एवं बलिदान दिया। उनका योगदान हमेशा स्मरण किया जाएगा। उन्होंने गुरु–शिष्य और संत परंपरा को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर बताया।रक्षा मंत्री ने आश्रम परिसर में नवनिर्मित श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय भवन का भी अवलोकन किया। आश्रम के अनुसार नारायण संस्कृत विद्यालय की स्थापना 1912 में हुई थी और 1934 में इसे संस्कृत महाविद्यालय की मान्यता मिली। राजनाथ सिंह ने संस्कृत और भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वैदिक गणित को शिक्षा में बढ़ावा देने के प्रयासों के दौरान देशभर के विद्वानों ने इस विषय पर पुस्तकें लिखीं।समारोह में आश्रम के पीठाधीश्वर महंत भरत दास ने राजनाथ सिंह को उदासीन परंपरा के संस्थापक चंद्र भगवान की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने आश्रम की ओर से गुरु परंपरा और संस्कृत शिक्षा के संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान महंत गौरीशंकर दास, महंत बृजमोहन दास, राजू दास, अभिषेक दास सहित बड़ी संख्या में संत–महंत मौजूद रहे। रक्षा मंत्री के आगमन को लेकर पुलिस–प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए थे।

अंशुमान सिंह और बेटों की तलाश में जुटीं पुलिस की 5 टीमें

संवाददाता–गोरखपुर। समाजवादी पार्टी में घमासान के बाद पुलिस ऐक्शन में है। बांसगांव के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अंशुमान सिंह और उनके दो बेटों कमलेश सिंह और विमलेश सिंह सहित अन्य की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगी हैं। रविवार को पुलिस ने एक आरोपी अंकित कुमार गौड़ को गिरफ्तार कर लिया था। गोरखपुर के शाहपुर क्षेत्र के आजादनगर बिछिया निवासी अंकित अंशुमान सिंह का समर्थक बताया जा रहा है। वहीं, अंशुमान सिंह के परिवार में मौजूद असलहा लाइसेंस निरस्त कराने के लिए भी पुलिस ने जिला प्रशासन को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। इसके अलावा अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायत की भी जांच शुरू कर दी गई है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि अन्य आरोपितों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गोरखपुर प्रेस क्लब में सपा की प्रेसवार्ता के दौरान शनिवार को पूर्व सपा जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी पर कथित तौर पर फायरिंग और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया था। कैंट पुलिस ने नगीना प्रसाद साहनी की तहरीर पर पूर्व चेयरमैन अंशुमान सिंह, उनके पुत्र कमलेश सिंह और विमलेश सिंह समेत 10–12 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। नगीना प्रसाद साहनी ने तहरीर में बताया है कि तीन अक्टूबर को दोपहर बाद करीब 2ः15 बजे प्रेस क्लब में सपा जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम की प्रेसवार्ता चल रही थी। इसी दौरान अंशुमान सिंह अपने दोनों पुत्रों और अन्य लोगों के साथ पहुंचे। उनके पुत्र कमलेश सिंह और विमलेश सिंह ने असलहे से उनकी ओर फायर किया, लेकिन गोली मिस हो गई। इसके बाद गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। नगीना प्रसाद साहनी के मुताबिक सपा नेता संजय पहलवान बीच में आए तो मेरी जान बच सकी।

पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी का आरोप है कि इसके बाद संजय पहलवान को भी जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पूरी घटना के बाद आरोपी असलहे लहराते हुए दोनों को बाहर आने के लिए ललकारते हुए चले गए। कैंट पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर के एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि अंशुमान सिंह और उनके पुत्र सहित अन्य की तलाश के लिए पुलिस की पांच टीमें दबिश दे रही हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिवार के पास मौजूद दो असलहों को निरस्त करने के लिए पुलिस की तरफ से रिपोर्ट भेजी गई है।

जनसमस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता –स्वतंत्रदेव सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। 'सेवा संकल्प' अभियान इसी भावना के साथ जनता और सरकार के बीच सेतु का काम कर रहा है।

स्वतंत्रदेव सिंह सोमवार को नगर निगम के सभागार में पांच दिवसीय सेवा सेतु शिविर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंच पर स्वतंत्रदेव सिंह के साथ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक ग्रामीण विपिन सिंह भी उपस्थित रहे। उपसभापति पूनम सिंह ने अतिथियों का स्वागत और आभार ज्ञापन किया। इसके पूर्व स्वतंत्रदेव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और पात्र मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। सेवा सेतु शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी एक ही स्थान पर मौजूद रहकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनके आवेदन और शिकायतों का निस्तारण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर केवल औपचारिकता न बने, बल्कि आमजन को इसका वास्तविक लाभ मिले। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारी लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगवाएं और उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर समाधान करें।

सेवा सेतु शिविर सोमवार से 9 अक्टूबर तक रानी लक्ष्मीबाई पार्क में चलेगा। हालांकि पहले दिन बारिश के कारण आयोजन में काफी दिक्कत हुई। इसमें विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए हैं। लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव के मुताबिक शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास है। शिविर में नगर निगम से संबंधित गृहकर की समस्याओं के समाधान के साथ एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ दिलाने के लिए भी स्टॉल लगा है। इसके अलावा वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आधार कार्ड बनवाने एवं संशोधन, राशन कार्ड तथा आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र, से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हैं।

शिविर में आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ निशुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए स्वास्थ्य मेला की सुविधा भी है। महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के अलावा कन्या सुमंगला योजना, पीएम स्वनिधि, ई–श्रम कार्ड, दिव्यांग कल्याण योजनाओं के लिए भी स्टॉल लगे हैं। बैंकिंग सेवाओं के तहत केसीसी और जनधन खाते से संबंधित जानकारी एवं आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए विद्युत विभाग का स्टॉल भी लगा है। सम्पत्तिकर के एक मुश्त भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। उद्यान विभाग की ओर से रुफटॉप गार्डनिंग के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों की बाइक की टक्कर से व्यापारी की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आलापुर क्षेत्र के गडडगवा चौराहे के पास सोमवार दोपहर मोबाइल छीनकर भाग रहे दो बाइकों पर सवार पांच बदमाशों की भिड़ंत संतकबीरनगर के मूंगफली व्यवसायी महेंद्र की बाइक से हो गई। बदमाशों की रफ्तार अधिक होने के चलते व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार एक बदमाश भी घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घेराबंदी कर चार बदमाशों को दबोच लिया। इनमें एक के पास से तमंचा भी बरामद हुआ है। इस बीच एक बदमाश भाग निकलने में कामयाब हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। आलापुर के बरमसापुर के सलिल मौर्य बाइक से गडडगवा चौराहे के पास किसी काम से गए थे। इसी बीच दो बाइकों पर आए पांच बदमाशों ने इन पर असलहा तान दिया और मोबाइल लूटकर बिड़हर घाट की ओर भागने लगे। कुछ ही दूरी पर लुटेरों की बाइक सामने से आ रहे महेंद्र निवासी शनिचरा बाजार धनघटा रामनगर की बाइक से टकरा गई। हादसे के बाद तीनों बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई जिससे महेंद्र के सिर में गंभीर चोटें आ गई। वहीं बदमाश विजय कुमार (18) निवासी हरिवंशपुर थाना पौली, संतकबीरनगर भी घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले जाया गया जहां डॉक्टर ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद अन्य चार बदमाश भागने लगे। इस पर ग्रामीणों और पुलिस ने पीछा कर तीन अन्य को दबोच लिया जबकि एक अन्य भाग निकलने में कामयाब रहा। पकड़े गए बदमाशों में से एक के पास से तमंचा भी बरामद हुआ है। सूचना पर सीओ जितेंद्र सिंह, थाना प्रभारी शशांक शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। यहां से तीन बदमाशों को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की गई जबकि घायल का उपचार कराया जा रहा है।

अकीदत से चढ़ाई गई ग्यारहवीं शरीफ की चादर

संवाददाता–अम्बेडकरनगर।जैतपुर थाना क्षेत्र के बंदीपुर गांव में ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर सोमवार को अकीदत के साथ चादरपोशी की गई। मुंडेहरा, बेरमा, चौनपुर, बंदीपुर समेत आसपास के गांवों से पहुंचे सैकड़ों जायरीन और स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर धार्मिक रस्मों में हिस्सा लिया। गांव स्थित मस्जिद के समीप स्थित मजार पर जायरीनों ने चादर पेश कर अमन–चौन, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की। चादरपोशी के दौरान मजार परिसर में दिनभर जायरीनों की आवाजाही बनी रही। बड़ी संख्या में लोगों ने अकीदत के साथ मजार पर पहुंचकर अपनी मन्नतें मांगी। मोहम्मद शाहिद के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के साथ हिंदू समाज के लोगों ने भी सहभागिता की।

दोनों समुदायों की मौजूदगी ने क्षेत्र में आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक माहौल के साथ भाईचारे की झलक भी देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने आयोजन में सहयोग किया। लोगों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द की भावना मजबूत होती है। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के चलते पूरे दिन मजार परिसर में चहल–पहल बनी रही।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा पर वोट छीनने का लगाया आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को मुखलिसपुर में पीडीए बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन किया। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई है। पाल ने भाजपा पर वोटर सूची में एसआईआर के जरिए पीडीए समाज को मताधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकार कमजोर करने की कोशिश बताया। श्याम लाल पाल ने 2027 के चुनाव को श्करो या मरोश की लड़ाई कहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव और बूथ स्तर तक संघर्ष करने को कहा, ताकि पीडीए के अधिकार बच सकें। संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रहने पर ही गरीब, किसान, नौजवान, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने भाजपा सरकार पर किसानों की परेशानी, युवाओं की बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया। पाल ने कार्यकर्ताओं से अखिलेश यादव के उम्मीदवार को जिताने को कहा। सम्मेलन में बूथ प्रभारियों को सम्मानित किया गया। व्यवस्थापक केडी यादव ने कहा कि पीडीए समाज जागरूक है और 2027 में भाजपा को जवाब देगा। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत कर सपा की नीतियों और अखिलेश यादव के संदेश को घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि संविधान ने देश के हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान दिया है, जिसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, नौजवान और वंचित वर्ग की आवाज को विधानसभा तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सपा कार्यकर्ताओं की है। कार्यकर्ता अभी से बूथों पर जुट जाएं। तभी 2027 में भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल किया जा सकेगा।सम्मेलन का संचालन देवेंद्र उर्फ चंदू यादव एवं अध्यक्षता प्रभु नाथ यादव ने किया। इस मौके पर संतरा लक्ष्मी कांत उर्फ पप्पू लाल निषाद,पूर्व जिलाध्यक्ष गौहर अली,अब्दुल कलाम, अंकिता बाबी, पूर्व विधायक अलगू प्रसाद चौहान,इंदल यादव, आफताब आलम, शिवनाथ यादव, ई. सुरेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता केडी यादव,राम वृक्ष यादव,, श्याम सुंदर चौहान, राम आशीष, मनीष पासवान, भाई लाल जी प्रसाद, अंकिता बाबी, विनोद यादव, सुरेश चौरसिया, असद मेहताब, जबीउल्लाह खान,राजधारी उर्फ राजू यादव जबीउल्लाह समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आवास की फाइल के लिए भिड़े प्रधान और पूर्व सचिव, पैसे के लेनदेन को लेकर मारपीट

संवाददाता–गोरखपुर। भरोहिया विकास खंड के लक्ष्मीपुर ग्राम पंचायत के प्रधानप्रधाशासक दिनेश निषाद और पूर्व सचिव अवधराज के बीच सोमवार को आवास योजना की फाइल को लेकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच खंड विकास अधिकारी के कक्ष में मारपीट शुरू हो गई।

मौके पर मौजूद बीडीओ अरुण कुमार ने बीच–बचाव कर मामला शांत कराया। घटना बाद प्रधान ने पीपीगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने उनका मेडिकल परीक्षण कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रधान दिनेश निषाद ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि अवधराज दो वर्ष तक उनकी ग्राम पंचायत के सचिव रहे। इस दौरान आवास योजना में अनियमितता किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रधान ने पूर्व सचिव से कथित तौर पर वाहन खरीदने के लिए लिए गए दो लाख रुपये वापस करने की बात कही। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और मारपीट हो गई।

प्रधान ने पूर्व सचिव पर लात–घूंसों से मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। हालांकि घटना को लेकर दोनों के बीच पूर्व के विकास कार्यों में कमीशन को लेकर विवाद की चर्चा है। बीडीओ अरुण कुमार ने बताया कि प्रधान और पूर्व सचिव के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी। दोनों को समझाकर मामला शांत करा दिया गया। वहीं, थानाध्यक्ष राकेश रोशन सिंह ने बताया कि प्रधान की तहरीर मिली है। मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खो–खो में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम बिहरा ने जीता उद्घाटन मुकाबला

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा में सोमवार को आयोजित जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय खो–खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमखम, गति और शानदार तालमेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक हरिश्चन्द्र सिंह एवं प्रधानाचार्य सतीश रंजन सिंह ने किया। अतिथियों का बैज अलंकरण एवं कैप पहनाकर स्वागत किया गया।

उद्घाटन मुकाबला गन्ना विकास इंटर कॉलेज मुंडेरवा और मेजबान औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा के बीच हुआ। इसमें बिहरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। खिलाड़ियों के तेज खेल और बेहतरीन रणनीति ने मैदान पर रोमांच बनाए रखा। प्रतियोगिता के अंडर–14 बालक वर्ग में बेसिक शिक्षा प्रथम और औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा उपविजेता रहा। अंडर–14 बालिका वर्ग में भी बेसिक विभाग ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि झिनकू लाल त्रिवेणी राम बालिका इंटर कॉलेज द्वितीय रहा। अंडर–17 बालिका वर्ग में देशराज नारंग इंटर कॉलेज वाल्टरगंज प्रथम तथा श्री नरेंद्र प्रसाद शांति देवी इंटर कॉलेज बढ़नी उपविजेता रहा। अंडर–17 बालक वर्ग में कलवारी प्रथम और आयोजक विद्यालय बिहरा द्वितीय रहा। इसी तरह अंडर–19 बालिका वर्ग में औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा प्रथम और बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज द्वितीय रहा। अंडर–19 बालक वर्ग में नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया ने प्रथम तथा मां गायत्री इंटर कॉलेज कप्तानगंज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य निर्णायक मंडल में अमित कुमार यादव, प्रभाकर ओझा एवं संतोष कुमार पांडेय रहे। रेफरी की भूमिका अरुण कुमार, सुनील कुमार, बृजेश, दीपक सिंह, आदर्श, राजकुमार, अमीषा वर्मा एवं सरफराज ने निभाई। स्कोरिंग प्रेम वर्मा, दीपक सिंह, उत्तम वर्मा एवं पवन मिश्रा ने की। खिलाड़ियों के चयन में माता प्रसाद त्रिपाठी, विवेक कुमार श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता, अमरनाथ मौर्या एवं सुभाष यादव ने जिम्मेदारी निभाई। शारीरिक शिक्षा शिक्षक हरीश सिंह एवं प्रभाकर सिंह ने संयुक्त रूप से संचालन किया। समापन पर विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विनोद प्रकाश वर्मा, अमितेश सिंह, रणधीर सिंह, राजेश कुमार विश्वकर्मा, संतोष मिश्रा, अरविन्द श्रीवास्तव, राकेश कुमार सिंह सहित शिक्षक, खेलप्रेमी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 238 / 2022
कुमकुम गुप्ता
बनाम
सायदा खातून आदि

2/1 मोहम्मद नदीम उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व0 जमील खाँ 2/2 शाहीन खाँ व्यस्क 2/3 नसरीन खाँ व्यस्क 2/4 कायनात खाँ व्यस्क 2/5 रहनुमा खाँ व्यस्क पुत्रीगण स्व0 जमील खां सभी निवासीगण ग्राम खोराखार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
निगरानी सं0–109 / 2025
त्रियुगी नाथ पाण्डेय
बनाम
रामजस (मृतक) आदि

1. रामजस (मृतक) 1/1 राम सूरत उम्र लगभग 48 वर्ष 1/2 राधेश्याम उम्र लगभग 45 वर्ष 1/3 हरिलाल उम्र लगभग 43 वर्ष 1/4 मदन लाल उम्र लगभग 40 वर्ष 1/5 विजय बहादुर उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण रामजस 2. रामदीन उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र तीरथ 3. रामजीत (मृतक) 3/1 प्रदीप कुमार उम्र लगभग 8 वर्ष 3/2 दिलीप कुमार उम्र लगभग 4 वर्ष 3/3 संदीप कुमार उम्र लगभग 3 वर्ष नाबालिगान द्वारा संरक्षिका श्रीमती ज्ञानमती प्राकृतिक माँ पुत्रगण रामजीत निवासीगण–ग्राम–अहिरौली, तप्पा–कोरऊ, परगना–महुली पश्चिम, तहसील व जिला–बस्ती 4. शिवमंगल उर्फ उधौ मिश्र (मृतक) 4/1 जर्नादन प्रसाद उम्र लगभग 23 वर्ष 4/2 चन्द्रभान उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्रगण शिवमंगल उर्फ उधौ मिश्र निवासीगण ग्राम बजहा, तप्पा–कोरऊं, परगना–महुली पश्चिम, तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 19–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–171 / 2024
सन्तराम
बनाम
झिनकू आदि

1. झिनकू पुत्र राम आसरे ग्राम गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–12–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–351 / 2025
रामजीत
बनाम
विफई आदि

1. विफई उम्र 55 वर्ष पुत्र सुखायन 2. हरिश्चन्द्र उम्र 35 वर्ष पुत्र गंगाराम 3. श्रीमती सुशीला देवी उम्र 34 वर्ष पत्नी हरिश्चन्द्र निवासी ग्राम–भीटा कलाँ, तप्पा–रुधौली, परगना–मगहर पश्चिम, तहसील–रुधौली, जिला–बस्ती

– प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 09–12–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 12 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com